आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–01 जून 2026 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु लखनऊ में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में सामिल भइलें। येह मौका पर उहां के कहलीं कि दुनिया क सबसे समृद्ध ज्ञान परम्परा आ बौद्धिक धरोहर भारत क पहिचान रहलि हौ। मेधावी छात्र–छात्रा लोगिन क सम्मानों ओही गौरवसाली परम्परा क बिस्तार हौ। श्री योगी प्रदेस सरकार के प्रोजेक्ट अलंकारो के बारे में जिकिरि कइलें।

प्रोजेक्ट अलंकार के तहत प्रदेश के अंदर 15 सौ करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि हमने केवल इन विद्यालयों के पुनरूद्धार के लिए उपलब्ध करवाई है। आज अच्छे क्लासरूम बन गये हैं। बालक–बालिकाओं के लिए ट्वायलेट और पेयजल की व्यवस्था हो गयी है। प्रधानमंत्री जी ने देश के अंदर छात्र–छात्राओं को तकनीकी दृष्टि से सक्षम बनाने के लिए अनेक अभियान प्रारंभ करवाएं हैं।

येह मौका पर वाराणसी, श्रावस्ती आ चन्दौली के सथहीं कई गो अउरियो जिलन में सम्मान समारोह क आयोजन कइल गइल।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सोसल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रदेसवासियन के नांव 'योगी कै पाती' जारी कइ के विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कइले क अपीलि कइले हवें।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि सनातन संस्कृति में वृक्षों, पहाड़ों, नदियों और प्राणियों की पूजा की परंपरा रही है। वेदों में प्रकृति की पूजा को साक्षात ईश्वर की उपासना माना गया है। श्री योगी ने कहा कि हमारी संस्कृति में वृक्ष केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि देवत्व, जीवन, ज्ञान, स्वास्थ्य और लोककल्याण के जीवंत प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने अपील की है कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस का अवसर वार्षिक औपचारिकता न होकर प्रकृति के प्रति हमारी साझी कृतज्ञता का ज्ञापन होना चाहिए। श्री योगी ने कहा कि सुरक्षित, स्वच्छ और समृद्ध पर्यावरण ही विकसित प्रदेश का आधार है। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आजु मध्य प्रदेश के रायसेन जिला के रामसिया गांव से राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' क सुभारम्भ कइलें। एगो रिपोर्ट–

एक महीने तक चलने वाला यह अभियान देश की कृषि भूमि को बचाने और किसानों को वैज्ञानिक खेती के लिए जागरूक करने की दिशा में एक बड़ी पहल है। इस अभियान में कृषि विश्वविद्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि विज्ञान केंद्र और जनप्रतिनिधि मिलकर भाग ले रहे हैं। अभियान के तहत किसानों को मिट्टी परीक्षण, सॉइल हेल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग और जल संरक्षण जैसे विषयों पर जानकारी दी जाएगी। अभियान के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ भी किसानों तक पहुंचाया जाएगा। अभिनव गोयल, आकाशवाणी, भोपाल।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदरसी अगुआई में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास आ सबका प्रयास' के सिद्धान्तन से प्रेरित भारत में पछिला बारह सालि में अभूतपूर्व बदलाव आइल हौ। प्रस्तुत बा किसान कल्याण के दिसा में सरकार के ओरि से उठावल गइल कदम पर एगो रिपोर्ट–

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में, किसानों के कल्याण और उनकी आय बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गये हैं। इनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को हर साल 6 हजार रुपये सीधे उनके बैंक खातों में दिए जाते हैं और अब तक लगभग 9 करोड़ 50 लाख किसान परिवारों के खातों में 4 लाख 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी जा चुकी है। प्रदेश के अयोध्या के रहने वाले किसान दिनेश कुमार जायसवाल ने आकाशवाणी समाचार को बताया कि किसान सम्मान निधि योजना, किसानों के लिए बहुत लाभकारी है। वहीं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से सिंचाई व्यवस्था मजबूत हुई है और मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के माध्यम से किसानों को मिट्टी की पोषक तत्वों की जानकारी दी जा रही है। न्यूनतम समर्थन मूल्य किसानों के लिए, एक मजबूत सहारा बना है जिसके तहत किसानों को उनके उत्पादन लागत का डेढ़ गुना मूल्य मिल रहा है। दीपेन्द्र कुमार, आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना क आजु छौ बरिस पूरा हो गइल हौ। एगो सोसल मीडिया पोस्ट के जरिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी येह योजना क सराहना कइले हवें।

****

मौसम विभाग प्रदेस के पूरबी जिलन में बिहने से ले के चारि जून ले मौसम के सुस्क रहले क सम्भावना जतवले हौ। येह इलाकन में आजु कहीं–कहीं बरखा आ गरज–चमकि के साथे बौछार परले क सम्भावनों बनल बा।

****